

प्रेषक,

आनन्द वर्द्धन,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग,
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: 22 मार्च, 2007

विषय:- "हथकरघा बुनकरों के लिये स्वास्थ्य बीमा योजना" वर्ष 2006-07 में बजट स्वीकृत करने विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 4241/उ0नि0/बु0र0की0/2006-07 दिनांक 8 जनवरी, 2007 एवं विकास आयुक्त (हथकरघा) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के परिपत्र संख्या 5/1/2005-डीसीएच/परियोजना-1 दिनांक: 09 अगस्त, 2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय उपर्युक्त विषयक योजना की स्वीकृति प्रदान करते हुए इस योजना हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में राज्यांश की धनराशि रुपये 10,00,000/- (रु० दस लाख मात्र) को व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निवर्तन पर इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जा रही है कि स्वीकृत धनराशि का व्यय योजना में प्रस्तावित/इंगित एवं भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार किया जायेगा। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय करने का अधिकार नहीं देता है कि जिससे बजट मैनुअल अथवा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता है। व्यय में गतिव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय तथा इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों अथवा आदेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- निदेशक उद्योग, उत्तराखण्ड उक्त धनराशि का आहरण कर मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उत्तराखण्ड हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास परिषद को उपलब्ध करायेगे।

4- योजना को प्रारम्भ करने से पूर्व योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु निदेशक, उद्योग द्वारा एक निर्धारित रूपरेखा का निर्धारण किया जायेगा जिसमें बुनकरों का नाम, व अन्य विवरण तैयार कर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

5- उक्त स्वीकृति इस प्रतिबंध के साथ दी जाती है कि योजना का क्रियान्वयन आपके पत्र में इंगित प्रस्तावानुसार/भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार/शर्तों के विषय में निर्गत आदेश संख्या 5/1/2005-डीसीएच0/परियोजना-1 दिनांक 09 अगस्त, 2005 के अनुरूप किया जायेगा।

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का वित्तीय/भौतिक विवरण समय-समय पर मासिक रूप से शासन एवं भारत सरकार को उपलब्ध कराया जायेगा।

7- योजनान्तर्गत बीमाकर्ता बुनकरों का प्रीमियम, जो केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जाना है सीधे आई0सी0आई0सी0आई0 लोम्वार्ड को प्रेषित किया जायेगा। बीमाकृत बुनकर के अंशदान को राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाना है। जिससे उद्योग विभाग द्वारा आईसीआईसीआई लोम्वार्ड को प्रेषित किया जायेगा। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिये निदेशक, उद्योग, उत्तराखण्ड सम्पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

8- उक्त व्यव धालू वित्तीय वर्ष 2006-07 हेतु अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक, 2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 103-हथकरघा उद्योग, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना, 08-हथकरघा बुनकरों एवं छीपियों की कल्याणकारी योजनाएँ, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2007 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

10- यह आदेश वित्त विभाग के असासकीय संख्या 2177/XXVII(2)/2007 दिनांक 19 मार्च, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द वर्द्धन)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 98(1)/VII-1/280-उद्योग/2005, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी सम्बन्धित जनपद।
3. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. विकास आयुक्त (हथकरघा) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, उद्योग भवन, नई दिल्ली।
6. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
7. अपर निदेशक उद्योग, उद्योग निदेशालय, देहरादून।
8. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-2,
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(आनन्द वर्द्धन)
अपर सचिव।